प्रेमेन्द्र मित्रा

प्रेमेंद्र मित्रा (4 सितंबर 1904 - 3 मई 1988) [1] [2] [3] बंगाली भाषा के एक भारतीय कवि, लेखक और फिल्म निर्देशक थे । वे बंगाली विज्ञान कथाओं के भी एक व्यवसायी थे । मानवता की उनकी आलोचना ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि जीवित रहने के लिए, मनुष्यों को "अपने मतभेदों को भूलना होगा और एकजुट होना होगा"

जन्म और परिवार

प्रेमेंद्र मित्रा का जन्म 4 सितंबर 1904 को उनके पिता की कर्मभूमि वाराणसी में हुआ था । उनका पैतृक घर पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के राजपुर में था । (हुगली जिले , पश्चिम बंगाल में) के प्रसिद्ध मित्रा परिवार से थे उनके पिता का नाम ज्ञानेंद्रनाथ मित्रा और उनकी माता का नाम सुहासिनी देवी था। उन्होंने कम उम्र में ही अपनी माँ को खो दिया था।

जीवन

प्रेमेन्द्र मित्रा का जन्म भारत के वाराणसी में हुआ था जहाँ उनके पिता ज्ञानेंद्रनाथ मित्रा भारतीय रेलवे में कर्मचारी थे और इस वजह से उन्हें भारत में कई जगहों की यात्रा करने का अवसर मिला था। अपनी माँ को खोने के बाद, जो उनके बचपन में ही मर गयी थीं, उनका पालन-पोषण उत्तर प्रदेश में उनके दादा-दादी ने किया और उन्होंने अपना बाद का जीवन कलकत्ता (अब कोलकाता) और ढाका में बिताया । वह साउथ सबअर्बन स्कूल (मेन) के छात्र थे और उन्होंने कलकत्ता के स्कॉटिश चर्च कॉलेज में बीए में दाखिला लिया, जिसे उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर के एक मित्र लियोनार्ड एल्महर्स्ट के साथ शांतिनिकेतन में कृषि का अध्ययन करने के लिए समय से पहले छोड़ दिया। क्योंकि इसमें उनकी रुचि नहीं थी, वे पहले ढाका में स्नातक पाठ्यक्रम और 1925 में कलकत्ता के आशुतोष कॉलेज में शिक्षा के लिए लौट आए जहाँ उन्होंने दिनेश चंद्र सेन के शोध में सहायता की।

ग्रंथ सूची

कविताएँ

- *प्रोथोमा* (प्रथम महिला)
- *सोमरत* (सम्राट)
- *फेरारी फौज* (खोई हुई सेना) कविताएँ: *फ़्यान* [फ़िआन]
- *सागरो थेके फेरा* (समुद्र से लौटते हुए)
- *होरिन चीता चिल* (हिरण, चीता, पतंग) कविताएँ: *खुंट*(गलत)
- *कोखोनो मेघ* (एक आकस्मिक बादल)
- *अनन्या* (एक तरह की, अद्वितीय)
- *खुदा वाहिद* (अल्लाह)

लघु कहानी संग्रह

बंगाली

- *पोंचोशोर* [पंचोशोर] (पांच तीर)
- *बेनामी बंदर* [बेनामी बन्दर] (अज्ञात बंदरगाह)
- *पुतुल ओ प्रोतिमा* (देवी की गुड़िया और मिट्टी की छवि)
- *मृतिका* [मृतिका] (मिट्टी की छवि)
- *ओफुरोंटो* [अफुरोंटो] (अंतहीन)
- *धुली धुसोर* [धुली धुसोर] (धूल की तरह फीकी पड़ना)
- *मोहननगर* [महानगर] (महान शहर)
- *जोल पायरा* (जल कबूतर)
- *श्रेष्ठो गोल्पो* [श्रेष्ठो गोल्पो] (सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ)
- *नाना रोंगे बोना* [नाना रोंगे बोना] (विभिन्न रंगों के साथ बुनना)
- *निर्बचिता* [निर्बचिता] (चयनित)
- *टेलीनापोटा अभिशाप* [तेलेनापोटा अभिशाप] (टेलीनापोटा अभिशाप की खोज)
-

बच्चों के लिए

- *मयूरपंखी* [मयूरपंखी]
- *सागोरदानरी* [सागोरदानरी]
- *मकोरमुखी* [मकोरमुखी]

तुकें

- *हरिये* [हरिये]
- *बोरोंग* [बारंग]
- *मिस्टि मेघ* [मिष्टी मेग] (एक मीठा बादल)
- *ओन्को* [অঙ্ক] (गणित)
- *मिष्टी* [मिष्टी] (मीठा)
- *दुति बंशी* [दूती बंशी] (दो बांसुरी)
- *मेघेर घुर*

परीकथाएँ, भूत-प्रेत की कहानियाँ और किशोर कहानियाँ

- *चोरुई पाखिरा कोथाय जय* [चोरुई पाखिरा कोथाय जय]
- *लाइटहाउस-ई* [लाइटहाउस पर] (लाइटहाउस पर)
- *सत्यबादी सुकु* [सत्यबादी सुकु] (सत्य वक्ता सुकु)
- *हातिर दन्तेर काज* [हाथी दांत द्वारा किया गया कार्य] (हाथी के दांत द्वारा किया गया कार्य)
- *गॉल्पर स्वर्ग* [गल्पर स्वर्ग] (कहानियों के स्वर्ग में)
- *पुतुलेर लोराई* [पुূতুলের লাই] (गुड़ियों की लड़ाई)
- *रामराज्ये विद्रोह* [रामराज्ये विद्रोह]
- *कुरुक्षेत्रे भजा* (कुरुक्षेत्र में भजा उर्फ बृहद्धजा)
- *रतन पंजाली* [रत्न पंजाली]
- *को-आई* [को-आई]
- *पोरीरा केनो आसे ना* [परीरा केन आस ना] (परियां क्यों नहीं आतीं)
- *कालरक्खोस कोथाय थके?* [कलराक्षस कहाँ रहते हैं?] (कलरक्खो कहाँ रहते हैं?)
- *सानू ओ दूधराजकुमार* [सानू ओ दूधराजकुमार] (सानू और दूधराजकुमार)
- *कालू सरदार* (कालू नेता)
- *गोपोन बहिनी* [गोपोन बहिनी] (गुप्त बल)
- *माहुरी कुठीते एक रात* [माहुरी कुठीते एक रात] (माहुरी कुठी में एक रात)
- *निशुतिपुर* [निशुतिपुर]
- *वुतुर्हे जहाज* [भूत जहाज] (भूत जहाज)

भूत की कहानियाँ

- *गोल्पर शेशे* (कहानी के अंत में)
- *राजपुतानार मोरूटे* (राजपूताना के रेगिस्तान में)
- *ब्रोम्हाडोइ्ट्येर मठ* (ब्रोम्हाडोइट्येर (भूत) का मैदान)

मजेदार कहानियाँ

- *सुराग* [क्लु] (सुराग)
- *चोर* [चोर] (चोर)
- *भूपालेर कोपल* [भूपालेर कोपल] (भूपाल का भाग्य)
- *बिश्वोमवोरबाबूर बिबोर्तोनबाद* [बिश्वोमवोरबाबूर बिबोर्तोनबाद] (बिश्वोमवोरबाबूर बिबोर्तोनबाद] (बिश्वोमवोरबाबू द्वारा विकास की थीसिस)

- *निरुद्देश* [निरुद्देश] (लापता व्यक्ति)

विज्ञान कथाएँ

वह बंगाली विज्ञान कथा के अग्रदूतों में से एक थे । उन्होंने बच्चों और किशोरों को विज्ञान से परिचित कराने के लिए विज्ञान कथाएँ लिखना शुरू किया।

- *जुड्डो जाखन थमलो* [যুদ্ধ যখন থামল] (जब युद्ध रुक गया)
- *पिनप्रे पुराण* [পীঁপড়ে পুরাণ] (चींटियों की कहानी)
- *पृथ्वीवीर शत्रु* [पृथ्वी के शत्रु] (पृथ्वी के शत्रु)
- *कालापानीर अटोले* [कालापानीर अटोले]
- *मंगलबैरी* [मंगलबेयरी] (मंगल ग्रह के दुश्मन)
- *कोरल कोरकोट* [कराल कोरकोट] (भयानक केकड़ा)
- *आकाशेर अटोन्को* [आकाशेर अटोन्को] (आसमान से खतरा)
- *मनुशेर प्रोतिद्वोंडी* [मनुशेर प्रतिद्वंदवी] (मनुष्य का प्रतिद्वंद्वी)
- *मोयदानोबर द्वीप* [मायदानोब द्वीप] (मोयदानोब द्वीप)
- *शोमोनर रॉन(जी) सदा* [শমনের রং সাদা] (सफेद रंग की मौत)
- *शुक्रे जरा गीयेछिलो* [শুক্রে যারা গীয়েছিলো] जो शुक्र पर गए; पहले इसका नाम *पृथिबी छारिये* [पृथ्वी से परे] था

उपन्यास

- *पाँक* (कीचड़)
- *मिछिल* (जुलूस)
- *ओनायोन* (समारोह)
- *प्रतिशोड़* (बदला)
- *कुआशा* (कोहरा)
- *प्रोतिध्वनी फेरे* (इको रिटर्न्स)
- *हाट बरलेई बोंधु*
- *ओरा थके ओधारे*
- *पथ भुले*
- *दाबी*